

10 अप्रैल 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

राजव्यवस्था:

1. एक विशिष्ट अधिकार:

सामाजिक मुद्दे:

1. जलवायु संकट 'लिंग-तटस्थ' नहीं है:

विज्ञान:

1. सौर पीवी सेल्स पर 'आयात प्रतिबंध':

F. प्रीलिम्स तथ्य:

1. सर्वोच्च न्यायालय ने औद्योगिक अल्कोहल पर केंद्र की सख्त स्थिति पर सवाल उठाए:
2. सर्वोच्च न्यायालय का नियम, उम्मीदवारों को मतदाताओं से निजता का अधिकार है:
3. 'गॉड पार्टिकल' के अस्तित्व को प्रस्थापित करने वाले पीटर हिग्स का निधन:
4. स्वास्थ्य क्षेत्र टेलीमेडिसिन से होने वाले हरित लाभ को नजरअंदाज नहीं कर सकता:
अध्ययन

G. महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

संपादकीय-द हिन्दू

संपादकीय:

एक विशिष्ट अधिकार:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

राज्यवस्था:

विषय: भारतीय संविधान-ऐतिहासिक आधार, विकास, विशेषताएं, संशोधन, महत्वपूर्ण प्रावधान और बुनियादी संरचना।

मुख्य परीक्षा: जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से मुक्त होने का अधिकार एक विशिष्ट मौलिक अधिकार है।

प्रसंग: विशिष्ट मौलिक अधिकार की मान्यता

- भारत के सर्वोच्च न्यायालय (Supreme Court of India) ने जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से मुक्त होने के अधिकार को एक विशिष्ट मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी है।
- इस अधिकार को संविधान के अनुच्छेद 21 (Article 21) के तहत स्वच्छ वातावरण में रहने के अधिकार के पूरक के रूप में देखा जाता है।

- न्यायालय का तर्क है कि जलवायु परिवर्तन से सुरक्षा और एक स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करना आपस में जुड़ा हुआ है, जो अलग पहचान की गारंटी देता है।

जीवन पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव:

- जलवायु परिवर्तन बढ़ते तापमान, तूफान, सूखा और फसल की विफलता के कारण भोजन की कमी जैसी असंख्य चुनौतियों को प्रस्तुत करता है।
- वेक्टर जनित बीमारियों में बदलाव भी मानव स्वास्थ्य और कल्याण के लिए खतरा पैदा करता है।
- प्रतिकूल प्रभाव हाशिए पर रहने वाले समुदायों पर असंगत रूप से प्रभाव डालते हैं, समानता के अधिकार का उल्लंघन करते हैं क्योंकि वे पर्यावरणीय प्रतिकूलताओं से निपटने के लिए संघर्ष करते हैं।

पर्यावरण संरक्षण और विकास लक्ष्यों को संतुलित करना:

- गंभीर रूप से लुप्तप्राय प्रजाति ग्रेट इंडियन बस्टर्ड (Great Indian Bustard) के संरक्षण से जुड़े एक मामले ने पर्यावरण संरक्षण और विकास लक्ष्यों के बीच एक दुविधा को उजागर किया है।
- यह संघर्ष विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता से समृद्ध क्षेत्रों में बिजली पारेषण लाइनों के साथ टकराव के कारण होने वाली पक्षियों की मौत को रोकने की आवश्यकता से उत्पन्न हुआ है।
- न्यायालय ने एक विशेषज्ञ समिति को पिछले निर्देशों का पुनर्मूल्यांकन करने का काम सौंपकर जैव विविधता की रक्षा और ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के बीच संतुलन की मांग की है।

समाधान की तात्कालिकता:

- कार्बन पदचिह्न को कम करने और लुप्तप्राय प्रजातियों की रक्षा के बीच संघर्ष का समाधान खोजना अत्यावश्यक है।
- दीर्घकालिक पर्यावरण और सामाजिक कल्याण सुनिश्चित करने के लिए पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास लक्ष्यों दोनों को एक साथ आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

सारांश:

- भारत का सर्वोच्च न्यायालय जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से मुक्त होने के अधिकार को विशिष्ट मानता है, और एक स्वस्थ पर्यावरण के साथ इसके अंतर्संबंध पर जोर देता है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से उत्पन्न चुनौतियों के बीच विकास लक्ष्यों के साथ पर्यावरण संरक्षण को संतुलित करना महत्वपूर्ण बना हुआ है।

जलवायु संकट 'लिंग-तटस्थ' नहीं है:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

सामाजिक मुद्दे:

विषय: महिला एवं महिला संगठन की भूमिका।

मुख्य परीक्षा: जलवायु संकट और लैंगिक न्याय।

विवरण: जलवायु संकट का लैंगिक प्रभाव

- मौजूदा भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और सांस्कृतिक मानदंडों के कारण महिलाओं और लड़कियों को असंगत स्वास्थ्य जोखिमों का सामना करना पड़ता है।
- जैसा कि यूएनडीपी ने उजागर किया गया है कि महिलाओं की आपदाओं में मरने की संभावना पुरुषों की तुलना में 14 गुना अधिक होती है।
- कृषि आजीविका, जो ग्रामीण भारत में कई महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण है, जलवायु-प्रेरित फसल उपज में कमी के कारण खतरे में है, जिससे खाद्य असुरक्षा और पोषण संबंधी कमियाँ बढ़ रही हैं।
- सूखे जैसी जलवायु संबंधी चुनौतियों से प्रभावित घरों में घरेलू काम के बोझ, स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों और अंतरंग साथी की हिंसा का खामियाजा महिलाओं को भुगतना पड़ता है।
- 'लिंग-तटस्थ' शब्द का अर्थ है कि कोई चीज़ महिलाओं या पुरुषों से जुड़ी नहीं है।

चरम घटनाओं और लिंग आधारित हिंसा के बीच संबंध:

- चरम मौसम की घटनाओं की बढ़ती आवृत्ति महिलाओं के खिलाफ लिंग आधारित हिंसा में वृद्धि से संबंधित है।
- प्राकृतिक आपदाएँ सुरक्षित पेयजल तक पहुँच को बाधित करती हैं, महिलाओं और लड़कियों के लिए स्वास्थ्य जोखिम बढ़ाती हैं और उत्पादक कार्य और स्वास्थ्य देखभाल के लिए समय कम कर देती हैं।
- जलवायु परिवर्तन के परिणामस्वरूप लंबे समय तक चलने वाली लू (heatwaves), गर्भवती महिलाओं, छोटे बच्चों और बुजुर्गों जैसे कमजोर समूहों के लिए महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम पैदा करती है।
- वायु प्रदूषण महिलाओं के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, जिससे श्वसन और हृदय संबंधी बीमारियाँ होती हैं, साथ ही अजन्मे बच्चों के संज्ञानात्मक विकास पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

जलवायु कार्रवाई में महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता:

- प्रभावी जलवायु समाधान के लिए महिलाओं को सशक्त बनाना आवश्यक है, जैसा कि समान संसाधन मिलने पर कृषि उपज बढ़ाने की उनकी क्षमता से प्रमाणित होता है।
- महिलाएं, विशेषकर आदिवासी और ग्रामीण महिलाएं, पर्यावरण संरक्षण प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।
- महिलाओं को ज्ञान, उपकरण और संसाधन प्रदान करना स्थानीय जलवायु समाधानों के उद्भव को प्रोत्साहित करता है।
- जलवायु जोखिमों और संसाधनों तक पहुँच में भिन्नता को ध्यान में रखते हुए, अनुकूलन उपायों को ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप बनाया जाना चाहिए।

तत्काल कार्रवाई और दीर्घकालिक समाधान:

- लू (हीटवेव) की चेतावनी, बाहरी काम के समय में बदलाव और शीतलन सुविधाओं के प्रावधान जैसे उपायों के माध्यम से कमजोर समूहों पर लंबे समय तक चलने वाली लू (हीटवेव) के प्रभाव को कम करने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है।
- पानी की कमी को संबोधित करने के लिए सामाजिक कार्रवाई की आवश्यकता है, जिसमें पारंपरिक जल संचयन प्रणालियों का पुनरुद्धार और भौगोलिक सूचना प्रणालियों पर आधारित स्थानीय योजना शामिल है।
- ग्राम स्तर पर क्षेत्रों और सेवाओं के अभिसरण के साथ-साथ पंचायतों और स्वयं सहायता समूहों जैसे स्थानीय संस्थानों की क्षमता निर्माण, समुदाय के नेतृत्व वाले लचीलेपन-निर्माण प्रयासों को सुविधाजनक बना सकता है।

सारांश:

- जलवायु संकट महिलाओं पर असंगत रूप से प्रभाव डालता है, स्वास्थ्य जोखिमों को बढ़ाता है और लिंग आधारित हिंसा को कायम रखता है। प्रभावी समाधानों के लिए जलवायु कार्रवाई में महिलाओं को सशक्त बनाना महत्वपूर्ण है, लचीलापन निर्माण के लिए स्थानीय स्तर पर तत्काल उपायों और दीर्घकालिक रणनीतियों की आवश्यकता है।

सौर पीवी सेल्स पर 'आयात प्रतिबंध':

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

विज्ञान:

विषय: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी- विकास और उनके अनुप्रयोग और रोजमर्रा की जिंदगी में प्रभाव।

मुख्य परीक्षा: सौर पीवी सेल (solar PV cells)।

प्रसंग:

- नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने 29 मार्च को 'सौर फोटोवोल्टिक मॉड्यूल के मॉडल और निर्माताओं की स्वीकृत सूची' (एएलएमएम सूची) को फिर से लागू किया।

- एएलएमएम सूची सरकारी परियोजनाओं और योजनाओं के लिए योग्य निर्माताओं को नामित करती है।
- यह निर्णय चीनी आयात से प्रतिस्पर्धी दरों के संबंध में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादकों की चिंताओं के कारण एएलएमएम सूची के दो साल के निलंबन के बाद आया है।

एएलएमएम सूची का औचित्य और कार्यान्वयन:

- एएलएमएम सूची का उद्देश्य सौर मॉड्यूल की स्थानीय सोर्सिंग को बढ़ावा देकर भारत के नवीकरणीय विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करना है।
- इसे इस विश्वास के आधार पर बहाल किया गया था कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन ([Production Linked Incentive \(PLI\) scheme](#)) योजना जैसे उपायों से मजबूत होकर भारत के घरेलू क्षेत्र में अब बढ़ी हुई उत्पादन क्षमता और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण है।
- सरकार का दावा है कि यह आयात को प्रतिबंधित करने के बारे में नहीं है बल्कि आयात प्रतिस्थापन को बढ़ावा देने के बारे में है।

सौर पीवी आयात पर भारत की निर्भरता:

- भारत मुख्य रूप से चीन और वियतनाम से सौर सेल और मॉड्यूल आयात पर बहुत अधिक निर्भर है।
- पिछले पांच वर्षों में, भारत ने लगभग 11.17 बिलियन डॉलर मूल्य के सौर सेल और मॉड्यूल का आयात किया, जिसमें एक महत्वपूर्ण हिस्सा चीन का था।
- रेटिंग एजेंसी ICRA का अनुमान है कि उत्पादन के विभिन्न चरणों में विनिर्माण क्षमता में 80% से अधिक हिस्सेदारी के साथ चीन का प्रभुत्व है।

आयात निर्भरता को संबोधित करने और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के प्रयास:

- भारत ने आयात निर्भरता को कम करने और सौर घटकों के घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं।
- पहलों में 2019 में एएलएमएम आदेश, 2022-23 बजट में पीएलआई योजना की शुरुआत और पीवी मॉड्यूल और सेल पर सीमा शुल्क लगाना शामिल है।
- आयातित चीनी उपकरणों का उपयोग करने वाले डेवलपर्स द्वारा धीमी सौर क्षमता वृद्धि और आक्रामक टैरिफ कोटेशन के जवाब में सीमा शुल्क कम कर दिया गया था।

निर्यातक के रूप में चीन का प्रभुत्व:

- लागत प्रतिस्पर्धात्मकता के कारण चीन सौर पीवी आपूर्ति श्रृंखला में एक अग्रणी निर्यातक के रूप में उभरा है।
- चीन के प्रभुत्व में योगदान देने वाले कारकों में कम बिजली की लागत, एक रणनीतिक क्षेत्र के रूप में सौर पीवी को प्राथमिकता देने वाली सरकारी नीतियां और पैमाने और नवाचार की अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने वाली बढ़ती घरेलू मांग शामिल हैं।

भारत में सौर ऊर्जा का दायरा:

- भारत का 2030 तक गैर-जीवाश्म ईंधन से 500 गीगावॉट स्थापित क्षमता का लक्ष्य सौर ऊर्जा के विस्तार को प्रेरित करता है।
- आर्थिक गतिविधि और जलवायु परिवर्तन शमन प्रयासों के कारण प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत बिजली की मांग में सबसे तेज वृद्धि दर प्रदर्शित कर रहा है।
- सौर ऊर्जा भारत की नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन में महत्वपूर्ण योगदान देती है, जिसमें सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से विशाल अप्रयुक्त क्षमता को लक्षित किया जाता है।

सारांश:

- भारत ने आयात निर्भरता को कम करने और घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सौर मॉड्यूल की स्थानीय सोर्सिंग को बढ़ावा देने के लिए एएलएमएम सूची को बहाल किया है। भारत के महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के बावजूद सौर निर्यात में चीन का प्रभुत्व चुनौतियां खड़ी करता है।

प्रिलिम्स तथ्य:

1. सर्वोच्च न्यायालय ने औद्योगिक अल्कोहल पर केंद्र की सख्त स्थिति पर सवाल उठाए:

प्रसंग:

- एक महत्वपूर्ण कानूनी विकास में, सर्वोच्च न्यायालय की नौ-न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने औद्योगिक अल्कोहल पर विशेष नियंत्रण बनाए रखने के केंद्र के आग्रह पर सवाल उठाए हैं, जिससे राज्यों को इसके प्रवाह को विनियमित करने और पीने योग्य शराब में इसके अवैध रूपांतरण को रोका जा सके, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है।

सम्बन्धित जानकारी:

- भारत के मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ ने सार्वजनिक स्वास्थ्य के संरक्षक के रूप में राज्य की जिम्मेदारी पर जोर देते हुए और दुरुपयोग से निपटने के लिए राज्यों को नियम बनाने का अधिकार देने की वकालत करते हुए केंद्र के रुख को चुनौती दी है।
- संघ और राज्यों के बीच चल रहा विवाद कर लगाने और शराब के उत्पादन और वितरण की निगरानी करने के अधिकार क्षेत्र के इर्द-गिर्द घूमता है।
- जहां केंद्र द्वारा संघ सूची की प्रविष्टि 52 के तहत पूर्ण नियंत्रण के लिए तर्क दिए गए हैं, वहीं केरल और महाराष्ट्र जैसे राज्य त्रासदी को रोकने के लिए औद्योगिक शराब के दुरुपयोग को दूर करने की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं।

महत्व:

- यह कानूनी लड़ाई भारत के संवैधानिक ढांचे में संघीय और राज्य शक्तियों के बीच जटिल परस्पर क्रिया को रेखांकित करती है।

2. सर्वोच्च न्यायालय का नियम, उम्मीदवारों को मतदाताओं से निजता का अधिकार है:

प्रसंग:

- सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव उम्मीदवारों के मतदाताओं से गोपनीयता बनाए रखने के अधिकार की पुष्टि करते हुए कहा कि उन्हें अपने व्यक्तिगत जीवन के हर पहलू का खुलासा करने की आवश्यकता नहीं है।

सम्बन्धित जानकारी:

- उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी उम्मीदवार की अप्रासंगिक व्यक्तिगत जानकारी को रोकना चुनावी कानूनों के तहत भ्रष्ट आचरण नहीं है।
- उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि उम्मीदवार सार्वजनिक जांच के लिए अपना पूरा जीवन खर्च करने के लिए बाध्य नहीं हैं।
- हालाँकि, अदालत ने कहा कि पर्याप्त संपत्ति या जीवन शैली से संबंधित वस्तुओं का खुलासा न करना एक दोष माना जा सकता है।
- यह फैसला अरुणाचल प्रदेश के विधायक कारिखो क्रि (Karikho Kri) से जुड़े एक मामले से आया है, जिनके चुनाव को कुछ संपत्तियों का कथित तौर पर खुलासा न करने के कारण चुनौती दी गई थी।
- अदालत ने श्री क्रि के पक्ष में फैसला सुनाया और कहा कि बेचे गए वाहनों को संपत्ति नहीं माना जा सकता।

महत्व:

- यह निर्णय उम्मीदवारों के गोपनीयता अधिकारों और मतदाताओं की सूचित मतदान निर्णयों के लिए आवश्यक जानकारी की आवश्यकता के बीच संतुलन को रेखांकित करता है।

3. 'गॉड पार्टिकल' के अस्तित्व को प्रस्थापित करने वाले पीटर हिग्स का निधन:

प्रसंग:

- "गॉड पार्टिकल" के अस्तित्व को प्रस्थापित करने वाले प्रसिद्ध नोबेल पुरस्कार विजेता भौतिक विज्ञानी पीटर हिग्स का 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया है।

सम्बन्धित जानकारी:

- जैसा कि एडिनबर्ग विश्वविद्यालय द्वारा घोषित किया गया की विश्वविद्यालय के एक प्रतिष्ठित एमेरिटस प्रोफेसर हिग्स का संक्षिप्त बीमारी के बाद उनके घर पर निधन हो गया।
- 1964 में पेश किए गए उनके अभूतपूर्व सिद्धांत ने हिग्स बोसोन के अस्तित्व की भविष्यवाणी की, जो यह समझाने के लिए महत्वपूर्ण मौलिक कण है कि पदार्थ कैसे द्रव्यमान प्राप्त करता है।
- CERN के वैज्ञानिकों द्वारा 2012 में हिग्स बोसोन के अस्तित्व की पुष्टि कण भौतिकी अनुसंधान में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई हैं।
- फ्रेंकोइस एंगलर्ट के साथ हिग्स को इस महत्वपूर्ण योगदान के लिए 2013 में भौतिकी में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- उनकी दूरदर्शी अंतर्दृष्टि और अग्रणी कार्य ने वैज्ञानिक समुदाय पर एक अमिट छाप छोड़ी है, जो दुनिया भर के वैज्ञानिकों की पीढ़ियों को प्रेरित करती है।

4. स्वास्थ्य क्षेत्र टेलीमेडिसिन से होने वाले हरित लाभ को नजरअंदाज नहीं कर सकता: अध्ययन

प्रसंग:

- एल.वी. प्रसाद आई इंस्टीट्यूट (एलवीपीईआई), हैदराबाद के शोधकर्ताओं द्वारा हाल ही में किए गए एक अध्ययन में आंखों की देखभाल में टेलीकंसल्टेशन के संभावित लाभों को रेखांकित किया गया है।

सम्बन्धित जानकारी:

- जर्नल आई में प्रकाशित अध्ययन से पता चलता है कि नेत्र अस्पतालों में जाने वाले अधिकांश व्यक्तियों को टेलीमेडिसिन से लाभ हो सकता है, जिससे व्यक्तिगत तौर पर अस्पतालों में जाने की आवश्यकता कम हो सकती है।
- एलवीपीईआई द्वारा प्रचलित टेलोफथाल्मोलॉजी, मरीजों को दूर से ही नेत्र विशेषज्ञों से परामर्श करने की अनुमति देती है, जिससे समय और खर्च की बचत होती है, खासकर दूरदराज के इलाकों में रहने वाले लोगों के लिए।
- महत्वपूर्ण रूप से, टेलीकंसल्टेशन कार्बन फुटप्रिंट को कम करने के वैश्विक प्रयासों के साथ तालमेल बिठाते हुए, अस्पतालों की यात्रा से जुड़े कार्बन उत्सर्जन को कम करके पर्यावरणीय स्थिरता में भी योगदान देता है।

महत्व:

- टेलीमेडिसिन एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में उभरने के साथ, स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा देते हुए पहुंच में सुधार कर सकती है।
- यह अध्ययन स्वास्थ्य देखभाल वितरण को बढ़ाने और पर्यावरणीय चिंताओं को एक साथ संबोधित करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के महत्व को रेखांकित करता है।

महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारतीय संविधान में छह मौलिक अधिकारों का उल्लेख किया गया है।
2. मौलिक अधिकार न्याययोग्य हैं।
3. भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से मुक्त होने के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी गई है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से गलत हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: d

व्याख्या:

- तीनों कथन सही हैं। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से मुक्त होने के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता दी है। यह नया अधिकार स्वच्छ वातावरण में रहने के पहले से मान्यता प्राप्त अधिकार पर आधारित है।

प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कौन सा मिशन जलवायु परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना (NAPCC) का हिस्सा है?

1. राष्ट्रीय सौर मिशन
2. राष्ट्रीय जल मिशन
3. उन्नत ऊर्जा दक्षता के लिए राष्ट्रीय मिशन

सही विकल्प का चयन कीजिए:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: c

व्याख्या:

- जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना (एनएपीसीसी) 30 जून 2008 को प्रधानमंत्री द्वारा जारी की गई थी। आठ राष्ट्रीय मिशन हैं जो राष्ट्रीय कार्य योजना का मूल बनाते हैं। उल्लिखित सभी 3 मिशन एनएपीसीसी का हिस्सा हैं।

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- भारत के अलावा चीन और वियतनाम अपनी सौर पीवी जरूरतों के लिए आयात पर बहुत अधिक निर्भर हैं।
- भारत अपने लागत प्रभावी विनिर्माण, कम बिजली लागत और रणनीतिक सरकारी नीतियों द्वारा समर्थित होने के कारण दुनिया में सौर पीवी का सबसे बड़ा उत्पादक है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

उत्तर: d

व्याख्या:

- दोनों कथन गलत हैं।

प्रश्न 4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- हिग्स बोसोन को लोकप्रिय रूप से "द गॉड पार्टिकल" के नाम से जाना जाता है।
- हिग्स बोसोन हिग्स क्षेत्र से जुड़ा मौलिक बल-वाहक कण है, एक ऐसा क्षेत्र जो अन्य मूलभूत कणों को द्रव्यमान देता है।
- इसकी खोज नासा ने 1900 में की थी।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से गलत हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: a

व्याख्या:

- कथन 3 गलत है। इसकी खोज CERN द्वारा 2012 में की गई थी।

प्रश्न 5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) चुनाव से पहले राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को विनियमित करने के लिए चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा जारी दिशानिर्देशों का एक सेट है।
2. एमसीसी चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही लागू हो जाता है और प्रक्रिया समाप्त होने तक चालू रहता है।
3. सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि चुनाव उम्मीदवारों को निजता का अधिकार है, मतदाताओं को व्यक्तिगत जीवन और संपत्ति के पूर्ण प्रकटीकरण की आवश्यकता नहीं है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से गलत हैं/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 3
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: d

व्याख्या:

- तीनों कथन सही हैं।

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. विशेषकर विकासशील देशों में महिलाओं और लड़कियों पर जलवायु परिवर्तन के असंगत

प्रभाव की जाँच कीजिए। जलवायु कार्रवाई और सतत विकास में महिलाओं को सशक्त बनाने की भूमिका पर चर्चा कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द) [जीएस-1, सामाजिक मुद्दे] (Examine the disproportionate impact of climate change on women and girls, particularly in developing countries. Discuss the role that empowering women can play in climate action and sustainable development. (10 marks, 150 words) [GS-1, Social Issues])

प्रश्न 2. गाजा में चल रहे संघर्ष के संदर्भ में इज़राइल की घरेलू राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के सामने आने वाली जटिलताओं और चुनौतियों की जाँच कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द) [जीएस-2, अंतर्राष्ट्रीय संबंध] (Examine the complexities and challenges faced by Israel's domestic politics and international relations in the context of the ongoing conflict in Gaza. (10 marks, 150 words) [GS-2, International Relations])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर BYJU'S की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)